D-342

परिशिष्ट

परिशिष्ट–क

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल–13

नाम ..... पद .....
संस्थान का नाम ..... तिथि.....

आपको इस प्रश्नावली में पूछे गये बिन्दुओं पर अपनी राय चिह्न (√) लगाकर व्यक्त करनी है। इस जानकारी का उपयोग सिर्फ शोध तक ही सीमित हैं अतःनिष्पक्ष एवं स्पष्ट रूप से अपनी राय व्यक्त कीजिए। दिये गये विकल्पों में से किसी एक पर सही का चिन्ह लगाइए। आपके द्धारा प्रदत्त जानकारी को गोपनीय रखा जायेगा । आपका सहयोग वांछनीय है।

1. हिन्दी पाठ्यक्रम वर्तमान आवश्यकता को पूरा करता है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
2. यह पाठ्यक्रम में क्रमिकता है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....3.
3. भाषा के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
4. अन्य विषयों से सम्बंधित है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
5. यह पाठ्यक्रम सामाजिक भावना विकसित करता है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
6. यह पाठ्यक्रम मूल्यों के विकास में सहायक है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
7. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सुयोग्य नागरिक के रूप में तैयार करता है।
   सहमत..... अनिश्चित..... असहमत.....
8. यह पाठ्यक्रम समूह में कार्य करने की भावना विकसित करता है ।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....
9. यह पाठ्यक्रम निर्देशन व परामर्श देने की क्षमता का विकास करने में सहायक है।
   पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

10. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता व साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना विकसित करता है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

11. वर्तमान में यह पाठ्यक्रम से आप सन्तुष्ट हैं।

सहमत ..... असहमत ..... अनिश्चित .....

12. यह पाठ्यक्रम सृजनात्मकता को पूरा करता है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

13. यह पाठ्यक्रम अन्य सह पाठ्यक्रम से जुडा है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

14. यह पाठ्यक्रम में गृहकार्य दिये जाने चाहिए।

सहमत.....असहमत.....,अनिश्चित.....

15. यह पाठ्यक्रम सामाजिक रूप से उपयोगी है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

16. यह पाठ्यक्रम में उल्लेखनीय गतिविधियाँ शिक्षण को प्रभावित करती है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

17. हिन्दी पाठ्यक्रम वास्तविक कक्षा शिक्षण को प्रभावित बनाने में सहायक होता है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

18. यह पाठ्यक्रम पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में सहायक है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

19. यह पाठ्यक्रम क्रियात्मक अनुसंधान में सहायक है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

20. यह पाठ्यक्रम खेल आधारित शिक्षण को बढावा देता है।

सहमत.....असहमत.....अनिश्चित .....

21. हिन्दी विषय के प्राप्तांक होने चाहिए।

100.....150..... इससे अधिक .....

22. यह पाठ्यक्रम में आन्तरिक मूल्यांकन का प्रतिशत होना चाहिए।

20प्रतिशत.....25प्रतिशत.....बिल्कुल नहीं.....

23. यह पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र निर्माण में सहायक है ।

सहमत.....असहमत.....अनिश्चित .....

24. यह पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण अंक होने चाहिए।

36.....40..... 45से अधिक .....

25. हिन्दी प्रश्नपत्र में वैकल्पिक प्रश्न होने चाहिए।

सहमत.....असहमत.....अनिश्चित .....

26. बी.एड. अभ्यास क्रम में हिन्दी पाठ योजनाओं की कुल प्रस्तुति करण की संख्या होनी चाहिए।

20.....40.....इससे अधिक .....

27. यह पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा कौशल विकास करने में सहायक है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

28. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने की वास्तविक अवधि होनी चाहिए।

1साल.....2साल.....इससे अधिक .....

29. हिन्दी विषय में सूक्ष्म शिक्षण की संख्या होनी चाहिए।

3,.....5.....इससे अधिक .....

30. यह पाठ्यक्रम शिक्षण एवं नवविधियों में सहायक है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

31. यह पाठ्यक्रम नवाचार अभ्यास के विकास में सहायक होता है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

32. अध्ययन की विविध पद्धतियाँ पाठ्यक्रम में सहायक है।

सहमत.....,असहमत.....अनिश्चित .....

33. सहायक पाठ्य सामाग्री हिन्दी पाठ्यक्रम में मदद करती है।

सहमत.....असहमत.....अनिश्चित .....

34. यह पाठ्यक्रम में परियोजना कार्य होने चाहिए।

3,.....2.....इससे अधिक.....

35. इन्टर्नशिप होना चाहिए ।

10दिन.....15दिन .....इससे ज्यादा.....

36. पर्यवेक्षक द्धारा हिन्दी पाठ योजना में दिये गए निर्देश शिक्षण सुधार में सहायक है।

पूर्णतः..... अंशतः..... बिल्कुल नहीं.....

37. इन्टर्नशिप के दौरांन पाठ योजनाओं की कुल संख्या होनी चाहिए ।

10 ..... 20 ..... 40 .....

38. इन्टर्नशिप के अंक होने चाहिए ।

30 ..... 50 ..... 100 .....

39. इन्टर्नशिप का समय होना चाहिए।

जनवरी से फरवरी.....सितम्बर से दिसम्बर.....

जुलाई से अगस्त .....

40. इन्टर्नशिप के दौरान निवास होना चाहिए।

सहमत.....असहमत.....अनिश्चित .....

यदि आपको किसी भी प्रश्न के बारे में विस्तृत विवरण करना है या सुझाव देना है तो यहाँ आप अपना मत प्रकट कर सकते है।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

परिशिष्ट–ख

साक्षात्कार अनुसूची

शोधकर्ता नें अपने शोध अध्ययन में बी.एड. के अध्यापकों और विशेषज्ञो से साक्षात्कार लिया है जिसके बिंदु इस प्रकार हैं –

1. बी.एड. पाठ्यक्रम के सामान्य मुद्दे।
2. समय प्रणाली।
3. विषय वस्तु और शिक्षण विधियां।
4. शिक्षण अभ्यास अथवा इंटरर्नशिप कार्यक्रम।
5. मूल्यांकन

परिशिष्ट–ग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का हिन्दी पाठ्यक्रम

भाग – 1

प्रथम वर्ष

कुल अंक – 100 समयावधि – 128 घंटे

आंतरिक मूल्यांकन –25 बाह्य मूल्यांकन – 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भाषा के स्वरूप और व्यवस्था बारीकियों को समझना
- भाषा सीखने की सृजनात्मक प्रक्रिया को जानना
- बच्चा, परिवेश, स्कूल, समाज और समझ के बीच के संबंध को जानना
- पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर बच्चों की समझ के अनुसार ढालना
- भाषा और साहित्य के संबंध को जानना
- हिन्दी भाषा के विविध रूपों और अभिव्यक्तियों को जानना
- भावों और विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति करना
- अनुवाद का महत्त्व और भूमिका को जानना
- विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को पहचानना
- अन्य भाषा सीखने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना
- मूल्यांकन का आधार रचनात्मकता हो

इकाई एक

भाषा का स्वरूप/भाषा क्या है?

- बच्चे की भाषा

- समझ और भाषा का संबंध
- भाषा और समाज का संबंध
- स्कूल और घर की भाषा
- शिक्षक–शिक्षार्थी संबंध की भाषा
- स्कूल का भाषाई परिवेश

इकाई दो

कोई व्याकरण भाषा की चाल को बदल नहीं सकता। लोक व्यवहार से भाषा परिचालित होती है।

भाषा शिक्षण 1

पढ़ाई का सृजनात्मक नजरिया

1. भाषा की बनावट

   बेलना और लिखना भाषायी कौशल

   सुनना और पढ़ना

   बहुभाषिकता

   संदर्भ में व्याकरण

इकाई तीन

(विभिन्न प्रयोगों से ही भाषा का विकास और विस्तार होता है)

भाषा की पढ़ाई – 1

हिन्दी भाषा के विविध रूप

- साहित्य
- मीडिया
- अनुवाद

विद्यार्थी को हिन्दी कविता, कहानी, नाटक का परिचय, मीडिया लेखन के विविध रूपों का परिचय, हिन्दी अनुवाद का एक परिचय होना चाहिए।

इकाई चार

विभिन्न अभिव्यक्तियाँ भाषा की बारीकियों को जाानने का सबसे अच्छा माध्यम है

भाषा की पढ़ाई 2

हिन्दी अभिव्यक्ति के विविध रूप

कविता

कहानी

नाटक

अन्य विधाएँ

इकाई पांच

यह इकाई कक्षा शिक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके दो भाग हैं। कक्षा शिक्षण से संबंधित गतिविधियाँ अन्य इकाई के साथ भी दी गई हैं। उन्हें भी पोर्टफोलियो का हिस्सा माना जाएगा। इस इकाई में सामाजिक विज्ञान, गणित विज्ञान आदि को जोड़ते हुए हिन्दी शिक्षण की कुछ युक्तियाँ दी जा रही हैं। हरेक विद्यार्थी को प्रशिक्षण के दौरान किन्हीं दो के आधार पर दो कक्षाओं के लिए शिक्षण प्रविधि तैयार करनी होगी

भाग – 2

द्वितीय वर्ष

कुल अंक – 100 समयावधि – 96 घंटे

आंतरिक मूल्यांकन –25 बाह्य मूल्यांकन – 75

इकाई एक

पढ़ाई का सृजनात्मक नजरिया

हिन्दी में विज्ञान, गणित, समाज विज्ञान और कला सब कुछ है पर ये विषय स्वयं हिन्दी या भाषा नहीं है।

1 रचना को जानना

एक रचना अनेक स्तर

अलग–अलग कक्षाओं में एक ही रचना को पढ़ना

एक रचना अनेक अर्थ

अलग–अलग नजरिये से ही रचना को पढ़ना

एक रचना विभिन्न बच्चे

संदर्भ : चुनौतीपूर्ण बच्चे

2. भाषा का अन्य विषयों से जुड़ाव

(यह कार्य प्रशिक्षार्थियों को कक्षा शिक्षण के दौरान करना है, इससे संबंधित जानकारी इकाई पाँच में देखें)

समझ की भाषा और सामाजिक विज्ञान

शिक्षक–अध्यापकों को भाषा शिक्षण के दौरान किसी पाठ को सामाजिक विज्ञान से जोड़ने के महत्त्व तथा विधि से परिचित कराना

समझ की भाषा और गणित

भाषा शिक्षण के दौरान गणित विषय को जोड़ने से संबंधित जानकारी सोदाहरण देना

समझ की भाषा और विज्ञान

भाषा शिक्षण के दौरान उचित स्थान पर विज्ञान से जुड़ी बातों पर चर्चा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण

इकाई दो

(पाठ्यपुस्तक शिक्षण का एक साधन है, एकमात्र साधन नहीं)

पाठ्यचर्चा और पाठ्यक्रम एक पाठ्यपुस्तकें अनेक

पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों का संबंध

भाषा शिक्षण के संदर्भ में आए बदलावों व परिवेश के अनुसार नया पाठ्यक्रम तैयार करना

इकाई तीन

पाठ्यक्रम तक पहुँचने के संसाधन अनेक

इकाई चार

(सीखने सिखाने की प्रक्रिया में अध्यापकों की भूमिका एक सहायक और मित्र की होगी। अध्यापकों के सामने यह चुनौती होगी कि वह हरेक विद्यार्थी से एक तरह की सृजनात्मक क्षमता, उत्तर भी, की अपेक्षा न करें)

भाषा की कक्षा और मूल्यांकन

कक्षा में और कक्षा से बाहर सतत् मूल्यांकन (सैद्धांतिक के साथ व्यवहारिक पक्ष को महत्त्व)

मूल्यांकन में सृजनात्मक रवैया

आकलन संबंधी सूचनाओं का इस्तेमाल

विद्यार्थी की प्रगति में माता-पिता की सहभागिता

एक-दूसरे का मूल्यांकन

पोर्टफोलियो द्वारा मूल्यांकन

फीडबैक और रिपोर्ट देना

प्रश्नों का स्वरूप

परिशिष्ट–घ

गुजरात विद्यापीट अहमदाबाद का हिन्दी पाठ्यक्रम

शिक्षण महाविद्यालय गुजरात विद्यापीट अहमदाबाद – 14

शिक्षण विशारद (बी.एड.) अभ्यासक्रम

प्रश्नपत्र :– बी–7

हिन्दी शिक्षण पद्धति (2010–11)

शैक्षिक उद्देश्य :–

प्रशिक्षार्थी

1. भाषीय तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त करें।
2. द्वितीय भाषा के सिद्धांतों से अवगत हो सके।
3. पाठ्योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करें।
4. भाषा शिक्षा के कौशल और विधियाँ जाने।
5. हिन्दी की पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन करें।
6. द्वितीय भाषा के अध्यापन में शैक्षिक उपकरणों का उपयोग करें।
7. भाषा प्रयोगशाला एवं शिक्षक सज्जता के संबंध में जानकारी प्राप्त करें।

सैद्धांतिक कार्य (अंक – 50)

इकाई – 1 मातृभाषा और द्वितीय भाषा हिन्दी

1. भाषा की परिभाषा एवं महत्त्व
2. मातृभाषा और द्वितीयभाषा के बीच अंतर
3. मातृभाषा और द्वितीय भाषा शिक्षा के उद्देश्य
4. द्वितीय भाषा शिक्षा के सिद्धांत

इकाई 2 भाषा शिक्षण एवं पाठ्योजना

1. पाठ्योजना संकल्पना और महत्त्व;

2. पाठ्योजना के सूत्र;
3. पाठ्योजना के प्रकार
4. पाठ्योजनानुसार अध्यापन कार्य एवं पाठ निरीक्षण

इकाई 3 भाषा शिक्षण के कौशल

1. श्रवण कौशल : संकल्पना, महत्त्व और प्रवृत्तियाँ
2. मौखिक अभिव्यक्ति कौशल : संकल्पना, महत्त्व और प्रवृत्तियाँ
3. वाचन कौशल : संकल्पना, महत्त्व और प्रवृत्तियाँ
4. लेखन कौशल : संकल्पना, महत्त्व और प्रवृत्तियाँ

इकाई 4 गद्य, पद्य, व्याकरण और रचना शिक्षण की विधियाँ

1. गद्य शिक्षण की विधियाँ व्याख्यान विधि, प्रत्यक्ष विधि, वेस्ट विधि, गहन विधि
2. पद्य शिक्षण की विधियाँ : गान-अभिनय विधि, व्याख्या विधि, तुलना विधि
3. व्याकरण शिक्षण की विधियाँ : आगमन विधि, निगमन विधि, सूत्र विधि, प्रयोग विधि
4. रचना शिक्षण की विधियाँ : देखो और रचो विधि, प्रश्न-उत्तर विधि, अनुकरण विधि, स्वाध्याय विधि

इकाई 5 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन, शैक्षिक उपकरण, भाषाप्रयोगशाला एवं भाषा-शिक्षक

1. हिन्दी भाषा की पाठ्यपुस्तक का स्वरूप एवं पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन
2. शैक्षिक उपकरण : दृश्य, श्राव्य और दृश्य-श्राव्य उपकरण
3. भाषा प्रयोगशाला का महत्त्व
4. भाषा शिक्षक की योग्यता, सज्जता एवं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में योगदान

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. हिन्दी अध्ययन संबंधी छात्रों की समस्या पर क्रियात्मक अनुसंधान करना
2. कक्षा 8 और 9 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक से किसी एक इकाई पसंद कर के इकाई पाठ के मूल्यांकन हेतु आदर्श प्रश्नपत्र का प्रारूप तैयार करना।
3. परंपरागत और इलेक्ट्रॉनिक्स शैक्षिक उपकरणों का अध्यापन कार्य में उपयोग कर के उपकरणों की प्रभावता के संबंध में अपने प्रतिभाव बताते हुए अहवाल तैयार करना।
4. स्वनिर्मित शैक्षिक उपकरणों का निर्माण कर के अध्यापन कार्य में उपयोग करना।

शिक्षण महाविद्यालय गुजरात विद्यापीट अहमदाबाद - 14

शिक्षण विशारद (बी.एड.) अभ्यासक्रम

प्रश्नपत्र :- सी-7

हिन्दी विषयवस्तु

शैक्षिक उद्देश्य :-

प्रशिक्षार्थी

1. हिन्दी भाषा साहित्य के बारे में जानकारी प्राप्त करें
2. भाषीय तत्त्वों से अवगत हो सके।
3. साहित्य की विधाओं से परिचित हो सके।
4. रचना शिक्षण का व्यवहार में उपयोग करें।

सैद्धांतिक कार्य : सेमेस्टर-1 (अंक-50)

इकाई 1 कक्षा 8 और कक्षा 9 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित गद्य एवं पद्य का समीक्षात्मक अभ्यास।

1. गद्य

क्रम	इकाई	साहित्य स्वरूप	लेखक/कवि	कक्षा
1	ईदगाह	कहानी	प्रेमचंद	8
2	ध्यानचंद – हॉकी का जादूगर	जीवनी	योगराजथानी	8
3	अंदामान जेल	यात्रा वर्णन	उमाशंकर जोशी	8
4	मधुपर्व	उपन्यास अंश	यशपाल	9
5	ध्रुवस्वामिनी	नाट्यांश	जयशंकर प्रसाद	9
6	बापू के संस्मरण	संस्मरण	संकलित	9
2	पद्य			
7	सूरदास के पद	पद	सूरदास	8
8	धीरे–धीरे	गजल	रामदरश मिश्र	8
9	कबीर के दोहे	दोहे	कबीर	9
10	शबरी	खंडकाव्य	नरेश मेहता	9

इकाई 2 वर्ण विचार

1. देवनागरी वर्णमाला के मानक लिपि चिन्ह
2. स्वर और स्वर के प्रकार
3. व्यंजन और व्यंजन के प्रकार
4. उच्चारण में अनुस्वार और अनुनासिक का भेद

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

इकाई 3 लिंग, वचन और शब्द विचार

1. लिंग और वचन परिवर्तन
2. शब्द की परिभाषा और अर्थ
3. शब्द के भेद (उत्पत्ति और प्रयोग की दृष्टि से)

4. शब्द निर्माण : पर्यायवाची, विलोम शब्द, भाववाचक संज्ञा, कतृवाचक संज्ञा, कहावतें और मुहावरों का प्रयोग, शब्द–समूह के लिए एक शब्द

इकाई 4 वाक्य रूपांतरण और विराम चिन्ह

1. विधि वाक्य
2. निषेध वाक्य
3. प्रश्नार्थ वाक्य
4. उदगार वाक्य
5. विराम चिन्ह का अर्थ और प्रयोग

सैद्धांतिक कार्य : सेमेस्टर 2 (अंक–50)

इकाई 1 कक्षा 10 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित गद्य एवं पद्य का समीक्षात्मक अभ्यास

1. गद्य

क्रम	इकाई	साहित्य स्वरूप	लेखक/कवि
1.	गोबर का रूख	उपन्यास अंश	प्रेमचंद
2.	कर कमल हो गये	निबंध	हरिशंकर परसाई
3.	गौरा गाय	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
4.	पनियाँ आ रहलो हैं	रिपोतार्ज	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
5.	कलिंग के बुद्धिमान	लोककथा	ब्रह्मदेव

2. पद्य

6.	पंचामृत	दोहे–पद	तुलसीदास,रैदास सूरदास,मीराबाई,
7.	भारत–गरिमा	कविता	मैथिलीशरणगुप्त
8.	धरती बने स्वर्ग	प्रबंध काव्यांश	रामधारीसिंह

9.	दूर ही दूर से बुलाता है गज़ल		रामदरश मिश्र
10.	लक्ष्मण का पौरूष	खंडकाव्यांश	नरेश मेहता

इकाई 2 व्याकरण

1. संज्ञा : अर्थ और प्रकार
2. सर्वनाम : अर्थ और प्रकार
3. समास : अर्थ और प्रकार
4. विशेषण : अर्थ और प्रकार

इकाई 3 रचना, अनुवाद और अर्थविस्तार

1. कहानी लेखन
2. निबंध लेखन
3. पत्र लेखन
4. अनुवाद और अर्थविस्तार : हिन्दी से मातृभाषा में अनुवाद, अर्थविस्तार (कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

इकाई 4 कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक के आधार पर सैद्धांतिक समीक्षा

1. कहानी : ममता – जयशंकर प्रसाद, आत्म शिक्षण – जैनेन्द्र कुमार
2. निबंध : ताला – देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीया जलाना कब मना है? – चंद्रकान्त मेहता
3. नाट्यांश : कलाकार का आक्रोश – जगदीशचन्द्र माथुर
4. काव्यांश : मिट्टी की महिमा – शिवमंगलसिंह 'सुमन', मैं वहाँ हूँ – अज्ञेय

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. स्वर और व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण करना।
2. विकारी और अविकारी शब्दों का वर्गीकरण करना।
3. व्याकरण शिक्षण हेतु विविध शैक्षिक उपकरण तैयार करना।

4. कहानी के तत्त्वों के आधार पर किसी एक कहानी की समीक्षा करना।

5. नाटक का उद्‌भव और विकास पर स्वाध्याय कार्य करना।

6. निबंध के लक्षणों के आधार पर विविध प्रकार के निबंधों की समीक्षा करना।

7. व्याकरण शिक्षण हेतु व्याकरण विषयवस्तु संबंधी शैक्षिक उपकरण तैयार करना।

D-342

उपन्यास का उद्‌भव और विकास पर स्वाध्याय कार्य करना।